CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 29 ◘ अंक- 98 ◘ रायपुर, शनिवार 2 मई 2026 ◘ पृष्ठ-8 ◘ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

ब्रेकिंग न्यूज

सांसद संदीप पाठक गिरेः पंजाब में गैर जमानती धाराओं में दो केस दर्ज, पुलिस घर पहुंची तो गाड़ी में बैठकर निकले

नई दिल्ली, 2 मई (न्यूज चैनल)। आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद संदीप पाठक की दिक्कतें बढ़ गई हैं। पाठक पर पंजाब के अलग-अलग जिलों में दो केस दर्ज हुए हैं। उन पर गैर जमानती धाराएं लगाई गई हैं। पंजाब पुलिस पाठक को गिरफ्तार करने के लिए दिल्ली पहुंच गई है। हालांकि सूत्रों के अनुसार, पाठक घर से निकल चुके हैं। 25 अप्रैल को पंजाब के सांसद संदीप पाठक ने अन्य सांसदों राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, विक्रमजीत साहनी, राजेंद्र गुप्ता और दिल्ली की सांसद स्वाति मालीवाल के साथ भाजपा का दामन थाम लिया था। केजरीवाल के चाणक्य माने जाते थे पाठक: संदीप पाठक केजरीवाल के बेहद करीबी माने जाते थे। जब केजरीवाल जेल में थे तो उनसे मिलने की अनुमति तीन लोगों को थी, जिनमें एक संदीप पाठक थे। उन्होंने पंजाब चुनाव में अपनी रणनीति से पार्टी को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी। पंजाब चुनाव के बाद वे एक तरह से पार्टी के चाणक्य बनकर उभरे थे। इसके बाद पार्टी ने उन्हें राज्यसभा की सीट दी।

सीबीआई को मिली बड़ी सफलताः यूएई से भारत लाया गया भगोड़ा कमलेश पारेख, सैंकड़ों करोड़ की वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली, 2 मई (न्यूज चैनल)। बैंकिंग और वित्तीय धोखाधड़ी के एक बड़े मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो को अहम सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी कमलेश पारेख को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत प्रत्यर्पित कर लिया गया है। 1 मई को पारेख को भारत लाया गया, जहां दिल्ली पहुंचते ही सीबीआई ने उन्हें हिरासत में ले लिया। यह कार्रवाई विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ समन्वय में अंजाम दी गई। पारेख के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था, जिसके आधार पर उसे यूएई में ट्रैक कर हिरासत में लिया गया। भारत के औपचारिक अनुरोध और दोनों देशों के बीच कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे भारतीय एजेंसियों को सौंप दिया गया। जांच एजेंसियों के अनुसार, कमलेश पारेख पर बड़े पैमाने पर बैंकिंग और वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप है। इस घोटाले में देश के कई बैंकों के समूह को भारी नुकसान हुआ, जिसकी अगुवाई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया कर रहा था। अनुमान है कि इस मामले में सैकड़ों करोड़ रुपये की रकम का दुरुपयोग किया गया।

दो भाइयों ने गांव के ही एक युवक को उतारा मौत के घाट, पुलिस ने आरोपियों को किया गिरफ्तार

जगदलपुर, 2 मई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले से हत्या का एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां दो भाईयों ने मिलकर एक ग्रामीण की हत्या कर दी। दोनों भाईयों को शक था कि ग्रामीण जादू-टोना करता है। इसी के चलते उन्होंने गुरुवार को उसकी चाकू मारकर हत्या कर दी। शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह पूरा मामला दरभा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान मंगलू मंडावी के रूप में हुई है, जो कि पखनार गांव का रहने वाला था। पखनार गांव में ही रहने वाले दो भाई आयतू और सुखराम मड़कामी को शक था कि मंगलू जादू-टोना करता है। इसी के चलते दोनों ने उसकी हत्या की साजिश रची। गुरुवार 30 अप्रैल को जब मंगलू अपने घर के पास आम के पेड़ के नीचे बैठा था, तभी आयतू और सुखराम शराब के नशे में वहां आ पहुंचे। इसके बाद उससे विवाद करने लगे। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि दोनों भाईयों ने मंगलू को चाकू से गोद डाला, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घटना को अंजाम देकर दोनों भाई मौके से फरार हो गए। घटना के बाद लोगों ने जब इसकी सूचना पुलिस को दी, तो पुलिस मौके पर पहुंची और मंगलू के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

चूहा- सुनती हो, सचिन पायलट कह रहें हैं भाजपा सरकार की बिदाई तय है।

चुहिया- हां जी, उनको राही कहने के लिए ही तो रायपुर भेजा गया है..।

माइंस ठेकेदार के ठिकानों पर जीएसटी का छापा

दो गाड़ियों में पहुंची टीम, महत्वपूर्ण दस्तावेज किए जब्त

भानुप्रतापपुर, 2 मई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के भानुप्रतापपुर में माइंस ठेकेदार अरविंद साहू के घर और दफ्तर पर जीएसटी टीम ने शुक्रवार देर रात दबीश दी. दिल्ली और रायपुर से अधिकारियों की संयुक्त टीम दो गाड़ियों में पहुंची। ठेकेदार के ठिकानों पर एक साथ की गई छापेमारी में वित्तीय लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस की जांच की गई. यह कार्रवाई लगभग रात 11 बजे से 1 बजे तक यानी 2 घंटे चली।

जानकारी के मुताबिक, माइंस ठेकेदार अरविंद साहू के बाजारपार स्थित निवास और दक्षीरोड स्थित कार्यालय में एक साथ जीएसटी की संयुक्त टीम ने छापेमारी की. बताया जा रहा है कि ठेकेदार अरविन्द साहू नीको जायसवाल ग्रुप की खदानों में ठेका लेता है. जांच के बाद कार्यालय से प्रिंटर सहित कुछ महत्वपूर्ण सामान अपने साथ ले जाने की खबर है. पूरी कार्रवाई इतनी गोपनिय थी कि स्थानीय पुलिस को भी इसकी जानकारी नहीं थी। हालांकि टीम द्वारा कौन-कौन से दस्तावेज या उपकरण जब्त किए गए, इसकी आधिकारिक जानकारी अब तक सार्वजनिक नहीं की गई है. गौरतलब है कि कुछ महीने पहले भी अरविंद साहू के रायपुर स्थित कार्यालय में जीएसटी विभाग द्वारा दबिश दी गई थी।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में हुए आईईडी ब्लास्ट में डीआरजी के 3 जवान हुए घायल

कांकेर, 2 मई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में एक संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) में हुए विस्फोट के कारण जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के तीन जवान घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। राज्य को 31 मार्च को सशस्त्र माओवादियों से मुक्त घोषित किए जाने के बाद नक्सल गतिविधियों से जुड़ी विस्फोट की यह पहली घटना है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जिले के छोटेबेठिया थाना क्षेत्र में कांकेर-नारायणपुर जिले की सीमा के पास सुरक्षाबलों को बारूदी सुरंग को निष्क्रिय करने और गश्त के लिए भेजा गया था। उन्होंने बताया कि बारूदी सुरंग को निष्क्रिय करने के अभियान के दौरान हुए विस्फोट में डीआरजी के तीन जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद घायल जवानों को अस्पताल भेजा गया। अधिकारियों ने कहा कि मामले में और जानकारी जुटाई जा रही है। छत्तीसगढ़ में 31 मार्च को नक्सलवाद की समाप्ति की घोषणा के बाद यह पहली बार है, जब बारूदी सुरंग विस्फोट में जवान घायल हुए हैं। राज्य के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों, खासकर बस्तर क्षेत्र के जंगलों में नक्सलियों ने पूर्व में बड़ी संख्या में बारूदी सुरंगें बिछाई थीं, जो अब भी वहां तैनात सुरक्षाबलों और ग्रामीणों के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, सुरक्षाबल के जवान क्षेत्र में लगातार बारूदी सुरंगों की तलाश और उन्हें निष्क्रिय करने की कार्रवाई में जुटे हुए हैं।

री-पोलिंग के दौरान फालता में बवाल, टीएमसी पर धमकाने का आरोप; एक बजे तक 55.57 प्रतिशत हुआ मतदान

नई दिल्ली, 2 मई (न्यूज चैनल)। पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर और मगरहाट पश्चिम में आज 15 बूथों पर दोबारा मतदान हो रहा है। चुनाव आयोग ने वोट में गड़बड़ी की शिकायतों के बाद यह फैसला लिया। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में चल रहे पुनर्मतदान के बीच दोपहर 1 बजे तक मतदान का अच्छा रुझान सामने आया है। मगरहाट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में करीब 56.33 प्रतिशत और डायमंड हार्बर में लगभग 54.6 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। दोनों सीटों को मिलाकर कुल मतदान प्रतिशत 55 फीसदी से ज्यादा रहा। सुबह 7 बजे से शुरू हुई वोटिंग में मतदाताओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फालता इलाके में पुनर्मतदान के दौरान तनाव का माहौल देखने को मिला। स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के नेता उन्हें धमका रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने सुरक्षा और निष्पक्ष मतदान की मांग उठाई। स्थिति को देखते हुए मौके पर भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। पुलिस और केंद्रीय बल हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

नदी में नहाने गए दो मासूमों की डूबने से मौत, गांव में पसरा मातम

बलरामपुर, 2 मई (हाईवे चैनल)। जिले के सामरी पाठ थाना क्षेत्र अंतर्गत भुताही गांव में नदी में नहाने गए दो मासूम बच्चों की डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई है। मासूम बच्चों की असमय मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 5 वर्षीय और 6 वर्षीय दोनों बच्चे अपने अन्य साथियों के साथ गांव के पास स्थित नदी में नहाने गए थे। भीषण गर्मी के बीच बच्चे नदी में स्नान और खेलने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान नहाते-नहाते दोनों बच्चे गहरे पानी की ओर चले गए और अचानक डूबने लगे। साथ में मौजूद अन्य बच्चों ने जब उन्हें डूबते देखा तो शोर मचाते हुए आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और बच्चों को बचाने के लिए नदी में उतरकर काफी प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद दोनों बच्चों को पानी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंचे, जहां मासूम बच्चों की हालत देखकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बताया जा रहा है कि मृतक बच्चे ग्राम पंचायत सबाग और भुताही के निवासी थे। घटना की सूचना पर सामरी पाठ थाना प्रभारी विजय सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और पंचनामा कार्रवाई के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। शनिवार को दोनों बच्चों का पोस्टमार्टम कराया गया। इस दर्दनाक हादसे के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है और हर किसी की आंखें नम हैं।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला: मौसी की बेटी से शादी अवैध, गुजारा भत्ता का अधिकार बरकरार

बिलासपुर, 2 मई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में मौसी की बेटी से की गई शादी को कानूनन अवैध करार दिया है। यह मामला जांजगीर-चांपा जिले से जुड़ा है, जहां वर्ष 2018 में एक युवक ने अपनी मौसी की बेटी से विवाह किया था। शादी के कुछ समय बाद पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया, जिसके बाद पति ने फैमिली कोर्ट में याचिका दायर कर विवाह को शून्य घोषित करने की मांग की। याचिकाकर्ता का तर्क था कि दोनों की माताएं सगी बहनें हैं, इसलिए यह विवाह कानून के दायरे में वैध नहीं है। मामले की सुनवाई करते हुए निचली अदालत ने स्थानीय प्रथा का हवाला देते हुए इस विवाह को वैध माना था। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस फैसले को पलट दिया और स्पष्ट किया कि ऐसी शादी हिंदू विवाह कानून के तहत निषिद्ध संबंधों में आती है, इसलिए यह वैध नहीं मानी जा सकती। साथ ही अदालत ने यह भी महत्वपूर्ण टिप्पणी की कि विवाह भले ही शून्य घोषित कर दिया जाए, लेकिन महिला को गुजारा भत्ता (मेंटेनेंस) लेने का अधिकार बना रहेगा।

टीएमसी को सुप्रीम कोर्ट से झटका: 'चुनाव आयोग को नियुक्ति के पूरे अधिकार, नए आदेश की जरूरत नहीं'

नई दिल्ली, 2 मई (न्यूज चैनल)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले टीएमसी को सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ा झटका लगा है। चुनाव आयोग द्वारा वोटों की गिनती के लिए मुख्य रूप से केंद्र सरकार और पीएसयू के कर्मचारियों को तैनात करने के निर्देश के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इस अहम मुद्दे को सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने आज टीएमसी की याचिका पर सुनवाई की। विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने कोई भी नया आदेश पारित करने से साफ इनकार कर दिया है। दरअसल, चुनाव आयोग ने अदालत को आश्वासन दिया है कि वह अपने 13 अप्रैल के परिपत्र (सर्कुलर) का पूरी तरह से पालन करेगा।

तृणमूल कांग्रेस के मुताबिक, इस सर्कुलर में मतगणना प्रक्रिया में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के साथ-साथ राज्य सरकार के कर्मचारियों की तैनाती का भी प्रावधान है। चुनाव आयोग के वकील के इस बयान के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने केवल यह दोहराया कि चुनौती दिए गए सर्कुलर को लागू किया जाएगा और मामले में आगे कोई अन्य आदेश देने से मना कर दिया।

भारतमाला मुआवजा घोटाला: सभी खसरा नंबरों की होगी जांच, संभाग आयुक्त ने बनाई अफसरों की दो टीमें

रायपुर, 2 मई (हाईवे चैनल)। भारतमाला प्रोजेक्ट मुआवजा फर्जीवाड़ा की जांच एक बार फिर अफसरों की टीम करेगी। इसके लिए संभाग आयुक्त महादेव कांवरे ने आला अफसरों को दो नई टीम बनाई है। इस बार यह टीम सभी खसरा नंबरों की बारीकी से जांच करेगी। भारतमाला प्रोजेक्ट में जितने खसरा नंबरों पर मुआवजा दिया गया है उन सभी की जांच होगी। चाहे उन खसरा नंबरों की शिकायत भी न मिली हो। सभी तरह की जांच को हर हाल में एक महीने में पूरा करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। संभाग कमिश्नर महादेव कांवरे की ओर से जारी आदेश के अनुसार रायपुर में भारतमाला प्रोजेक्ट के खसरा नंबरों की जांच डिप्टी कलेक्टर ज्योति सिंह के नेतृत्व में बनी टीम करेगी। इसी तरह धमतरी जिले के खसरा नंबरों की जांच अपर कलेक्टर पवन कुमार की टीम करेगी।

जांच पूरी होने के बाद विस्तृत रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी जाएगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि यदि किसी भी स्तर पर गड़बड़ी पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अभी हाल में ईडी की जांच में इस बात का खुलासा हुआ है कि भारतमाला प्रोजेक्ट में आईएएस, एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदारों की भी गंभीर भूमिका है। अभी तक इस मामले में केवल डिप्टी कलेक्टर निर्भय कुमार साहू और शशिकांत कुर्रे को ही गिरफ्तार किया गया है, लेकिन जांच में दावा किया गया है कि इस मामले में और अभी डिप्टी कलेक्टर और एसडीएम दोषी हैं। इसके बाद ही तय किया गया कि अब एक-एक खसरा नंबर की जांच की जाएगी कि उसमें मुआवजा सही मिला है या नहीं। इस जांच टीम के पहले अफसरों की तीन टीम भारतमाला प्रोजेक्ट की जांच कर चुकी है, लेकिन इस टीम ने केवल उन्हीं खसरा नंबरों की जांच की थी जिसकी शिकायत लोगों ने की थी।

राजा बेटा उठ जा देख पापा आए हैं - मां की बाहों में आखिरी सांस बेटे को देख टूट गया बेबस पिता, हर दिल को किया घायल

नई दिल्ली, 2 मई (न्यूज चैनल)। जबलपुर के बरगी डैम में हुआ एक दर्दनाक क्रूज हादसा कई परिवारों के लिए जिंदगी भर का दर्द छोड़ गया। दिल्ली से घूमने आए मेसी परिवार की खुशियां उस शाम अचानक मातम में बदल गईं, जब नर्मदा की लहरों पर चल रहा क्रूज तेज तूफानी हवाओं की चपेट में आकर पलट गया। पूरा देश उस समय रो उठा जब एक मां का शव उसके बच्चे के साथ लिपटा मिला। परिवार के सदस्य प्रदीप मेसी, उनकी पत्नी मरीना और उनका 4 साल का बेटा त्रिशान इस सफर का आनंद ले रहे थे। अचानक मौसम बिगड़ गया और तेज हवाएं चलने लगीं। क्रूज स्टाफ ने यात्रियों को नीचे जाने और खिड़कियां बंद रखने को कहा, लेकिन कुछ ही पलों में स्थिति बेकाबू हो गई और जहाज डूब गया। बताया जाता है कि तेज लहरों के कारण क्रूज की खिड़कियां टूट गईं और पानी तेजी से अंदर भरने लगा। कुछ ही समय में पूरा जहाज पलट गया। चारों तरफ अफरा-तफरी, चीख-पुकार और अंधेरा फैल गया।

इस भयावह स्थिति में सबसे दिल दहला देने वाला दृश्य तब सामने आया जब मरीना ने अपनी जान की परवाह किए बिना अपने बेटे त्रिशान को सीने से लगा लिया। उन्होंने लाइफ जैकेट के भीतर उसे मजबूती से पकड़ लिया और पानी के तेज बहाव के बीच भी उसकी सुरक्षा के लिए खुद को ढाल बना लिया। बताया जाता है कि उन्होंने आखिरी सांस तक अपनी पकड़ नहीं छोड़ी। करीब 14 घंटे बाद जब रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची, तो मलबे के भीतर से मां और बेटे के शव एक साथ मिले। दोनों इस तरह जुड़े हुए थे कि उन्हें अलग करना भी मुश्किल हो गया। यह दृश्य देखकर रेस्क्यू टीम और वहां मौजूद लोग भावुक हो गए।

दूसरी तरफ, अस्पताल में जब पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे गए, तो पिता प्रदीप मेसी का दर्द फूट पड़ा। वे अपने बेटे और पत्नी को देखकर बार-बार उन्हें जगाने की कोशिश करते रहे और बेसुध होकर रोते रहे। पत्नी मरीना और बेटे त्रिशान के चेहरे से कफन हटाते बाप-बेटी अपना सुध-बुध खो बैठे और पिता बार-बार अपने बेटे का ठंडा पड़ चुका हाथ थामते कहते रहे, राजा बेटा उठ जाऊ यूं चुप मत रहऊ देख पापा आए हैं, कुछ तो बोल बेटा। बेबस प्रदीप कभी पत्नी को आवाज देते तो कभी बेटे को उठाने की कोशिश करते लेकिन सब कुछ खत्म हो चुका था। अस्पताल के गलियारे में गूंजती उनकी चीखें सिस्टम की लापरवाही और कुदरत की बेरुखी पर सबसे बड़ा सवालिया निशान थीं। नकी हालत देखकर वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। इस हादसे को लेकर लोगों में नाराजगी भी सामने आ रही है। यात्रियों का कहना है कि क्रूज पर सुरक्षा इंतजाम ठीक नहीं थे, लाइफ जैकेट समय पर उपलब्ध नहीं कराए गए और मौसम खराब होने के बावजूद यात्रा जारी रखी गई। कई लोगों ने ओवरलोडिंग और लापरवाही के आरोप भी लगाए हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव का सामने आया अनोखा अंदाज विकास कार्यों का निरीक्षण करने स्कूटी में निकले

लोरमी, 2 मई (हाईवे चैनल)। अक्सर राजनीति में ऊंचे पदों पर बैठे चेहरों के इर्द-गिर्द सुरक्षा का अभेद्य घेरा और सायरन बजाती गाड़ियाँ दिखाई देती हैं। लेकिन छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने इस 'वीआईपी दीवार' को ढहाकर एक नई मिसाल पेश की है। आज उप मुख्यमंत्री का एक ऐसा अंदाज दिखा, जिसने यह साबित कर दिया कि वे पद से नहीं, बल्कि दिल से जमीन से जुड़े नेता हैं।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव आज औचक निरीक्षण पर निकले थे, लेकिन उनका तरीका किसी को भी चौंकाने वाला था। अपनी चमचमाती सरकारी गाड़ी और प्रोटोकॉल को छोड़, डिप्टी सीएम ने एक आम नागरिक की तरह स्कूटी उठाई और खुद हैंडल संभालकर गलियों में निकल पड़े। रास्ते में जो भी मिला अरुण साव ने उनसे सीधा संवाद किया। स्कूटी रोककर बुजुर्गों का हाल जाना और युवाओं से विकास कार्यों पर फीडबैक लिया। जनता के बीच यह चर्चा का विषय है कि एक उपमुख्यमंत्री का इतना सहज और सरल होना लोकतंत्र की खूबसूरती को दर्शाता है। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों को समय से गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

CMYK